A–601

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–508

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय–02

MA JYOTISH (MAJY)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वर्तमान समय में वेध की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
2. भारतीय वेध परम्परा का विस्तृत उल्लेख कीजिए।
3. वराहमिहिरकालीन वेध के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. दृष्टिवेध और यन्त्रवेध को परिभाषित करते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. दिग्ज्ञान हेतु प्रयुत्क विविध प्रक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहस्थिति ज्ञान में गोल यन्त्र की भूमिका का विवेचन कीजिए।

2. सूर्यादि वारों के नामकरण के आधारभूत सिद्धान्तों का विचेचन वर्णन कीजिए।

3. भूपरिधि को परिभाषित करते स्पष्टभूपतिधि के स्वरूप को प्रदर्शित कीजिए।

4. ध्रुव स्थान के स्वरूप का वर्णन करते हुए इसके महत्वों पर प्रकाश डालिए।

5. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक नाडी एवं क्रान्ति वृत्त का परिचय दीजिए।

6. कुज्या × चरज्या ÷ द्युज्या = ? हल पूर्वक प्रदत्त अवयवों का परिचय दीजिए।

7. वित्रिभ लग्न एवं दृक्क्षेप का परिचय दीजिए।

8. किसी देश के समय चक्र में देशान्तर की भूमिका को प्रतिपादित कीजिए।

****